This question paper contains 7 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **673**

Unique Paper Code : **213452** **D**

Name of the Paper : **Sanskrit Drama and History of Sanskrit Literature (IV-*i*)**

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Sanskrit Discipline Course**

Semester : **IV**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

Note : Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिंदी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

सभी प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

Answer *all* questions.

P.T.O.

1. खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब' में से **दो-दो** पद्य चुनते हुए हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

Translate any *two* from Part A and Part B each : 4+4

खण्ड 'अ'

Part A

(*i*) अर्थो हि कन्या परकीय एव

तामद्य संप्रेष्य परिग्रहीतुः

जातो ममायं विशदः प्रकामं

प्रत्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा

(*ii*) पातुं न प्रथमं व्यवस्यति जलं युष्मास्वपीतेषु या

नादत्ते प्रियमण्डनापि भवतां स्नेहेन या पल्लवम्।

आद्ये वः कुसुमप्रसूतिसमये यस्या भवत्युत्सवः

सेयं याति शकुन्तला पतिगृहं सर्वैरनुज्ञायताम्॥

(*iii*) यात्येकतोऽस्तशिखरं पतिरोषधीना-

माविष्कृतोऽरुणपुरःसर एकतोऽर्कः।

तेजोद्वयस्य युगपद्व्यसनोदयाभ्यां

लोको नियम्यत इवात्मदशान्तरेषु॥

(*iv*) रम्यान्तरः कमलिनीहरितैः सरोभि-

श्छायाद्रुमैर्नियमितार्कमयूखतापः।

भूयात्कुशेशयरजोमृदुरेणुरस्याः

शान्तानुकूलपवनः शिवश्च पन्थाः॥

खण्ड 'ब'

Part B

(*i*) श्यामो युवा सितदुकूलकृतोत्तरीयः 4+4

सच्छत्रचामरवरो रचिताङ्गरागः।

श्रीमान् विभूषणमणिद्युतिरञ्जिताङ्गः

नक्षत्रमध्य इव पर्वगतः शशाङ्कः॥

(*ii*) प्रहरति यदि युद्धे मारुतो भीमकर्ता

प्रहरति यदि साक्षात् पार्थरूपेण शक्रः।

प्ररुषवचनदक्ष! त्वद्वचोभिर्न दास्ये

तृणमपि पितृभुक्ते वीर्यगुप्ते स्वराज्ये॥

(*iii*) मणिकनकविचित्रा चित्रमालोत्तरीया।

सुररिपुगणगात्रध्वंसने जाततृष्णा।

गिरिवरतटरूपा दुर्निवारातिवीर्या

व्रजति नभसि शीघ्रं मेघवृन्दानुयात्रा॥

(*iv*) राज्यं नाम नृपात्मजैः सहृदयैर्जित्वा रिपून् भुज्यते

तल्लोके न तु याच्यंते न तु पुनर्दीनाय वा दीयते।

काङ्क्षा चेन्नृपतित्वमाप्तुमचिरात् कुर्वन्तु ते साहसं

स्वैरं वा प्रविशन्तु शान्तमतिभिर्जुष्टं शमायाश्रमम्॥

2. खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब' में से **एक-एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

Explain with reference to the context any *one* from Part **A** & Part **B** each : 7+7

खण्ड 'अ'

Part A

(*i*) दुष्यन्तेनाहितं तेजो दधानां भूतये भूवः।

अवेहि तनयां ब्रह्मन्नग्निगर्भां शमीमिव॥

(*ii*) ययातेरिव शर्मिष्ठा भर्तुर्बहुमता भव।

सुतं त्वमपि सम्राजं सेव पुरुमवाप्नुहि॥

(*iii*) अतिस्नेहः पापशङ्की।

खण्ड 'ब'

Part B

(*i*) दुःशासनपरामृष्टा सम्भ्रमोत्फुल्ललोचना।

राहुवक्त्रान्तरगता चन्द्रलेखेव शोभते॥

(*ii*) पुण्यसंचयसम्प्राप्तामधिगम्य नृपश्रियम्।

वञ्चयेद् यः सुहृद्बन्धून स भवेद् विफलश्रमः॥

(*iii*) कर्त्तव्यो भ्रातृषु स्नेहो विस्मर्तव्याः गुणेतराः।

सम्बन्धो बन्धुभिः श्रेयाँल्लोकयोरुभयोरपि॥

3. प्रश्न संख्या 1 खण्ड 'अ' तथा 'ब' में रेखांकित पदों में से किन्हीं **पाँच** की व्याकरणात्मक टिप्पणियाँ लिखिए : 5

Write grammatical notes in any *five* of the underlined words in Q. No. 1 (A) and 1(B) :

4. (अ) कालिदास की नाट्यशैली पर एक निबन्ध लिखिए : 8

(A) Write an essay on the dramatic style of Kalidasa.

अथवा

(Or)

'तत्रापि च चतुर्थोऽङ्कः'—इस कथन की समीक्षा कीजिए।

Illustarate the statement 'तत्रापि व चतुर्थोऽङ्कः'

(ब) "दूतवाक्यम् एक व्यायोग है।" इस कथन की समीक्षा कीजिए। 8

(B) Discuss and illustrate the statement "दूतवाक्यम् एक व्यायोग है"।

अथवा

(Or)

दूतवाक्य के अनुसार दुर्योधन का चरित्र-चित्रण कीजिए।

Write character sketch of Duryodhana according to Dutavakya.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 2×6=12

Write short notes on any *two* of the following :

नान्दी, विदूषक, भरतवाक्य, कञ्चुकी।

6. संस्कृत नाटक की उत्पत्तिविषयक विभिन्न मतों पर एक निबन्ध लिखिए। 12

Write an essay on theories of the origin of Sanskrit Drama.

अथवा

(Or)

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर लघु टिप्पणियाँ लिखिए : 4+4+4

Write short notes on any *three* of the following :

भास, बाणभट्ट, राजतरङ्गिणी, विशाखदत्त, वेणीसंहार